गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS
सत्यमेव जयते

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

डिजिटल गिरफ्तारी (Digital Arrest) और ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी (Online Investment Scam) को समझना

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

सत्यमेव जयते

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre

सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

सारांश(Overview of I4C)

गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs) ने 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (Indian Cyber Crime Coordination Centre – I4C) की स्थापना की है, जो देशभर में सभी प्रकार के साइबर अपराधों से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए कार्यरत है।.

दृष्टि (VISION)

भारत के नागरिकों के लिए एक **सुरक्षित साइबर स्पेस** (Cyberspace) का निर्माण करना।

मिशन (MISSION)

देश में **साइबर अपराधों की रोकथाम, पहचान, जांच और अभियोजन** (Prevention, Detection, Investigation & Prosecution) के लिए एक **प्रभावी ढांचा** (Effective Framework) और **सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र** (Robust Ecosystem) का निर्माण करना।

डिजिटल गिरफ्तारी (Digital Arrest) क्या है?

- डिजिटल गिरफ्तारी एक नई प्रकार की ऑनलाइन ठगी है जिसमें साइबर अपराधी कानून प्रवर्तन एजेंसियों (जैसे पुलिस, CBI, RBI, ED, या साइबर सेल अधिकारियों) का रूप धारण कर पीड़ितों को डराते हैं और उनसे पैसे या संवेदनशील जानकारी हासिल करते हैं।
- यह "डिजिटल गिरफ्तारी" इसलिए कहलाती है क्योंकि पूरा धोखा ऑनलाइन होता है — वीडियो कॉल, फर्जी दस्तावेज़, और कानूनी कार्रवाई की धमकियों के ज़रिए — बिना किसी वास्तविक गिरफ्तारी के।

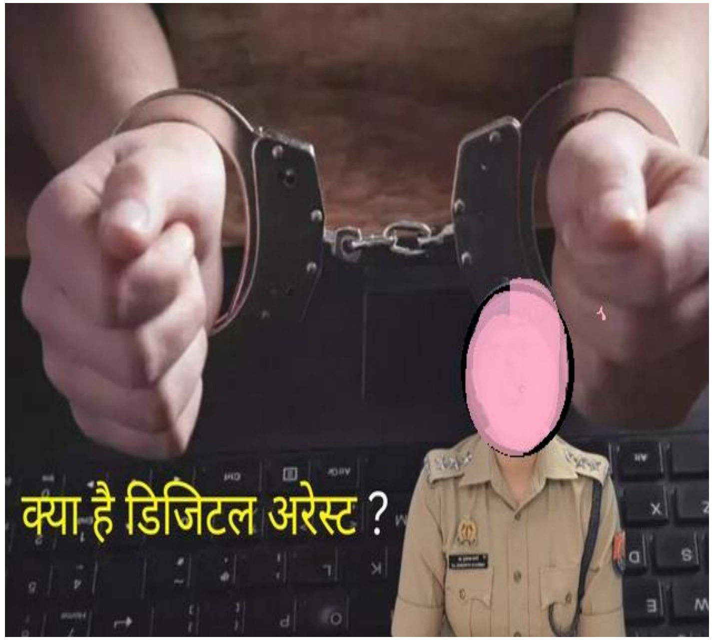

सत्यमेव जयते

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre

सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

डिजिटल गिरफ्तारी ठगी को समझना

- पीड़ित को फर्जी कॉल आती है, कॉल करने वाला खुद को पुलिस या सरकारी अधिकारी बताता है।.
- दावा किया जाता है कि पीड़ित किसी गैरकानूनी गतिविधि या पहचान की चोरी में शामिल है।.
- डराकर पैसे ट्रांसफर करने या निजी जानकारी साझा करने को कहा जाता है।
- ठग नकली आईडी, वीडियो कॉल और सरकारी लोगो का उपयोग करते हैं ताकि भरोसा जता सकें।

? डिजिटल गिरफ्तारी के सामान्य संकेत

- कॉल करने वाला कहता है कि वह “साइबर क्राइम पुलिस” या “RBI” से है।
- फर्जी पहचान पत्र या वीडियो कॉल में नकली पुलिस बैकग्राउंड दिखाता है।.
- “डिजिटल केस”, “ऑनलाइन FIR”, “वीडियो जांच” जैसे शब्दों का उपयोग करता है।
- तुरंत भुगतान की मांग करता है ताकि गिरफ्तारी से बचा जा सके।.

⚙️ यह कैसे काम करता है (Modus Operandi):

1️⃣ **प्रारंभिक संपर्क:** पुलिस, कस्टम या साइबर विभाग के नाम से कॉल या संदेश।.

2️⃣ **झूठा आरोप:** आधार या बैंक खाते को अपराध से जोड़ना।

3️⃣ **धमकी और अलगाव:** पीड़ित को कहा जाता है कि किसी से बात न करे और वीडियो कॉल पर रखा जाता है।

4️⃣ **वसूली:** “जुर्माना” या “जमानत” के नाम पर भुगतान की मांग।

5️⃣ **गायब होना:** पैसे मिलते ही ठग गायब हो जाते हैं।.

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

सत्यमेव जयते

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

सामान्य कहानी रेखाएँ

- **पार्सल इंटरसेप्शन:** कहा जाता है कि आपके नाम पर पार्सल में अवैध वस्तु मिली है।
- **परिवार का फंसना:** कहा जाता है कि कोई परिजन अपराध में शामिल है, उसे छुड़ाने के लिए पैसे माँगे जाते हैं।
- **आधार या फ़ोन दुरुपयोग:** कहा जाता है कि आपका आधार या मोबाइल अपराध में प्रयोग हुआ है।
- **अश्लील सामग्री का आरोप:** कहा जाता है कि आपके नंबर से अश्लील सामग्री भेजी गई।
- **फर्जी अदालत कार्यवाही:** वीडियो कॉल पर नकली जज और कागज़ दिखाए जाते हैं।

वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप

- पीड़ितों को बताया जाता है कि वे धन शोधन या कर चोरी जैसी **वित्तीय धोखाधड़ी** के मामले में जांच के अधीन हैं।

  ठग डराने-धमकाने की रणनीति अपनाते हैं और दावा करते हैं कि **सहयोग न करने पर तुरंत गिरफ्तारी** की जाएगी।

सत्यमेव जयते
गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

वास्तविक घटनाएँ

मामला 1 – फ़रीदाबाद (Faridabad)

□ **अक्टूबर 2023**

□ □ **23 वर्षीय महिला पीड़िता**

•कॉल करने वाले ने खुद को **कस्टम विभाग का अधिकारी** बताया।

•कहा गया कि “आपके नाम पर पार्सल में **नकली पासपोर्ट** और **मानव तस्करी से जुड़े दस्तावेज़** मिले हैं।”

•Skype/वीडियो कॉल पर “जांच” के नाम पर महिला से बात की गई।

•वीडियो कॉल पर “पुलिस अधिकारी” और “जज” जैसे लोग दिखाई दिए — जो असल में ठग थे।

•“डिजिटल कस्टडी” में रखने और “सत्यापन शुल्क” ₹50,000 की माँग की गई।

•पैसे भेजने के बाद ठग गायब हो गए।

□ **सीख:**

डर और भ्रम पैदा कर भरोसे का माहौल बनाना — डिजिटल गिरफ्तारी का पहला कदम है।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS
सत्यमेव जयते

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

मामला 2 – नोएडा और लखनऊ (Noida & Lucknow)

नवंबर 2023 – मार्च 2024

नोएडा की 50 वर्षीय महिला और लखनऊ की IT इंजीनियर पीड़िता

•दोनों को कॉल आया कि “आपके नाम से पार्सल में ड्रग्स मिले हैं।”

•“मुंबई पुलिस अधिकारी” और “CBI अधिकारी” बनकर वीडियो कॉल की गई।

•नकली दस्तावेज़ और “FIR” दिखाकर **डिजिटल जांच (Video Interrogation)** की गई।

•नोएडा पीड़िता से ₹11.11 लाख और लखनऊ इंजीनियर से ₹3.75 लाख ठगे गए।

सीख:

सरकारी अधिकारी कभी भी Skype या वीडियो कॉल पर जांच नहीं करते।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

सत्यमेव जयते

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

मामला 3 – वरिष्ठ नागरिक और उद्योगपति (Lucknow & Punjab)

अगस्त 2024

⚕ डॉ. रुचिका टंडन (SGPGI, लखनऊ)

•कॉल आया कि उनके फ़ोन नंबर से **22 शिकायतें दर्ज हैं।**
•Skype पर "CBI अधिकारी" से बातचीत कराई गई।
•"आपके बैंक खाते से मानव तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग हो रही है" — ऐसा झूठा दावा।

- डर और धमकी में आकर उन्होंने **₹2.81 करोड़** ठगों को भेज दिए।
- बाद में उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।
- डॉक्टर रुचिका टंडन से ₹2.81 करोड़ की ठगी — "CBI जांच" का झूठा दावा।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्य करवावहै • Working Together With Vigour

□ □ उद्योगपति S.P. Oswal (लुधियाना, पंजाब)

•82 वर्षीय उद्योगपति से **"सुप्रीम कोर्ट जांच"** के नाम पर ₹7 करोड़ ठगे गए।

•ठगों ने "डिजिटल कोर्ट", "जज" और "सीबीआई अधिकारी" का नाटक किया।

□ सीख:

"डिजिटल कोर्ट", "ऑनलाइन जांच" या "वीडियो जमानत" जैसी कोई प्रक्रिया **भारतीय कानून में अस्तित्व में नहीं है।**

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS
सत्यमेव जयते

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

निष्कर्ष – इन घटनाओं से सबक

⚠️ सभी मामलों में एक जैसी रणनीति अपनाई गई —

रणनीति	**उद्देश्य**
डर और धमकी	मानसिक दबाव बनाना
सरकारी पहचान का झूठा उपयोग	भरोसा जीतना
वीडियो कॉल पर नकली अधिकारी	वास्तविकता का भ्रम पैदा करना
"नाम साफ़ करने" के नाम पर पैसे माँगना	ठगी को पूरा करना

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

सीख:

•किसी भी “डिजिटल गिरफ्तारी” या “वीडियो कोर्ट” कॉल पर विश्वास न करें।

•असली अधिकारी कभी भी वीडियो कॉल पर जाँच नहीं करते।

•तुरंत रिपोर्ट करें: **हेल्पलाइन 1930 | www.cybercrime.gov.in**

सत्यमेव जयते

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

ऑनलाइन निवेश ठगी (Online Investment Scams)

- फर्जी ट्रेडिंग/इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म ऊँचे और बिना जोखिम वाले मुनाफ़े का वादा करते हैं।
- नकली डैशबोर्ड पर झूठे लाभ दिखाए जाते हैं।.
- “सीमित ऑफर” या “एक्सक्लूसिव अवसर” जैसे वाक्य कहे जाते हैं।'.
- फर्जी सरकारी या सेलिब्रिटी समर्थन का उपयोग विश्वास बढ़ाने के लिए किया जाता है

निवेश ठगी का तरीका (Modus Operandi)

- **आकर्षण:** सोशल मीडिया या मैसेज के ज़रिए उच्च लाभ के प्रस्ताव|.
- **फर्जी प्लेटफॉर्म:** नकली ऐप्स या वेबसाइट जहाँ झूठे मुनाफ़े दिखाए जाते हैं|.
- **दबाव:** "गारंटीड 200% रिटर्न" या "सीमित समय प्रस्ताव" कहकर लालच दिया जाता है|.
- **भुगतान और अवरोध:** निवेश के बाद निकासी रोक दी जाती है और अतिरिक्त "टैक्स" मांगा जाता है|.
- निकास – प्लेटफ़ॉर्म गायब हो जाते हैं; ठग नया नाम लेकर फिर से शुरुआत करते हैं।

वास्तविक उदाहरण (Real-Life Examples)

उदाहरण 1 – HIBOX ट्रेडिंग ऐप घोटाला (दिल्ली, 2024)

- HIBOX नामक मोबाइल ऐप को सोशल मीडिया पर ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म बताया गया।
- लोगों को कहा गया कि "₹1000 निवेश करें, हर दिन ₹100 का लाभ मिलेगा।"
- ऐप पर नकली डैशबोर्ड बनाकर झूठे मुनाफ़े दिखाए गए।
- जब लोगों ने पैसे निकालने की कोशिश की — "सिस्टम मेंटेनेंस" का बहाना दिया गया।
- बाद में ऐप और वेबसाइट दोनों गायब हो गए।

नुकसान: हज़ारों लोगों के लाखों रुपये डूब गए।

- सीख:
- फर्जी ऐप्स का सबसे बड़ा संकेत — "आसान कमाई और त्वरित लाभ"।

उदाहरण 2 – टेलीग्राम ग्रुप द्वारा ठगी (2023–24)

- ठगों ने “Crypto Profit India” नाम से **Telegram** चैनल बनाया।
- प्रतिदिन स्क्रीनशॉट साझा किए गए — “देखो आज ₹5000 कमाए!”
- “सिर्फ ₹2000 लगाओ और दो दिन में ₹4000 पाओ” जैसी बातें कही गईं।
- शुरू में छोटे भुगतान कर दिए गए ताकि भरोसा बढ़े।
- जब लोगों ने बड़ी राशि (₹50,000–₹1 लाख) लगाई, तो अकाउंट बंद कर दिया गया।

� नुकसान: देशभर में सैकड़ों लोग फँसे।

- � **सीख:**
- शुरुआत में भुगतान करके भरोसा जीतना — यह “Ponzi Pattern” का हिस्सा है।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

सत्यमेव जयते

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

उदाहरण 3 – फर्जी क्रिप्टो निवेश (Crypto Scam)

- ठगों ने Instagram और Facebook Ads पर “Crypto Future” नामक स्कीम चलाई।
- दावा किया गया कि “₹10,000 निवेश करें, हर हफ्ते ₹5000 का मुनाफ़ा।”
- वेबसाइट और ऐप दोनों विदेशी दिखाए गए – अंग्रेजी नाम, विदेशी झंडे के साथ।
- निवेश के बाद “वेरिफिकेशन फीस” और “विदड्रॉल टैक्स” के नाम पर अतिरिक्त पैसे माँगे गए।
- अंत में वेबसाइट बंद कर दी गई।
- **सीख:**
- विदेशी दिखने वाली साइटें और “क्रिप्टो में गारंटीड प्रॉफिट” – 100% ठगी के संकेत हैं।

उदाहरण 4 – नकली सेलेब्रिटी प्रमोशन (Fake Celebrity Endorsement)

- सोशल मीडिया पर कुछ फर्जी वीडियो चलाए गए जिनमें प्रसिद्ध हस्तियों के डीपफेक वीडियो दिखाए गए।
- उनमें कहा गया — "मैंने इस ऐप में निवेश किया और मुझे दोगुना रिटर्न मिला।"
- ये वीडियो AI से बनाए गए थे।
- लोगों ने भरोसा करके निवेश किया — और सब पैसे गायब हो गए।

? सीख:

- किसी भी विज्ञापन में दिखाया गया "सेलेब्रिटी प्रमोशन" पहले आधिकारिक अकाउंट से सत्यापित करें।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

कानूनी कार्रवाई (Legal & Police Action)

- दिल्ली पुलिस ने 2024 में HIBOX और अन्य ट्रेडिंग ऐप्स के खिलाफ केस दर्ज किया।
- I4C (Indian Cyber Crime Coordination Centre) ने फर्जी निवेश वेबसाइटों की सूची जारी की।
- कई ठगों को क्रिप्टो ट्रांजैक्शन ट्रैकिंग के ज़रिए पकड़ा गया।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS
सत्यमेव जयते

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

चेतावनी संकेत और लाल झंडे

- बिना जोखिम के ऊँचा मुनाफ़ा – यह हमेशा धोखा है।
- अप्रमाणित वेबसाइट या ऐप से निवेश करने से बचें।.
- पैसा निकालने से पहले "टैक्स" या "शुल्क" मांगा जाए तो सतर्क रहें।.
- डर या जल्दबाज़ी में निर्णय लेने के लिए उकसाया जाता है।.

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

सत्यमेव जयते

Indian Cyber Crime Coordination Centre

सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

सावधानियाँ (Individuals & Organizations)

- किसी भी कानून प्रवर्तन कॉल को आधिकारिक हेल्पलाइन से सत्यापित करें।.
- किसी भी "ऑनलाइन केस" के लिए पैसे ट्रांसफर न करें।
- निवेश करने से पहले SEBI/RBI वेबसाइट पर जाँच करें।.
- दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (2FA) सक्षम करें और सॉफ्टवेयर अपडेट रखें।.

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS
सत्यमेव जयते

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

संगठनों के लिए:

- नियमित साइबर जागरूकता कार्यशालाएँ करें।.
- कर्मचारियों को सोशल इंजीनियरिंग के खतरों से अवगत कराएँ।.
- कर्मचारियों को सोशल इंजीनियरिंग के तरीकों के बारे में शिक्षित करें।.
- संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना संबंधित अधिकारियों को दें।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

सत्यमेव जयते

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre

सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

डिजिटल गिरफ्तारी / ऑनलाइन निवेश ठगी से कैसे बचें

- डिजिटल गिरफ्तारी और ऑनलाइन निवेश ठगी दोनों ही **डर और लालच** का फायदा उठाते हैं।
- **शांत रहें** और हर दावे की जांच **आधिकारिक माध्यमों से** करें।
- किसी भी **संदिग्ध संदेश, कॉल या वेबसाइट** की तुरंत रिपोर्ट करें।
- **जागरूकता ही साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ सबसे मजबूत रक्षा है।**

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS
सत्यमेव जयते

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

रिपोर्ट कैसे करें (Where to Report)

- - Cybercrime.gov.in
- - ☎️ हेल्पलाइन: **1930**
- - पुलिस/साइबर सेल या बैंक ग्राहक सेवा पर संपर्क करें।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS
सत्यमेव जयते

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

एनसीआरपी पोर्टल पर संदिग्ध डेटा की रिपोर्ट करें

https://cybercrime.gov.in/Hindi/Defaulthn.aspx

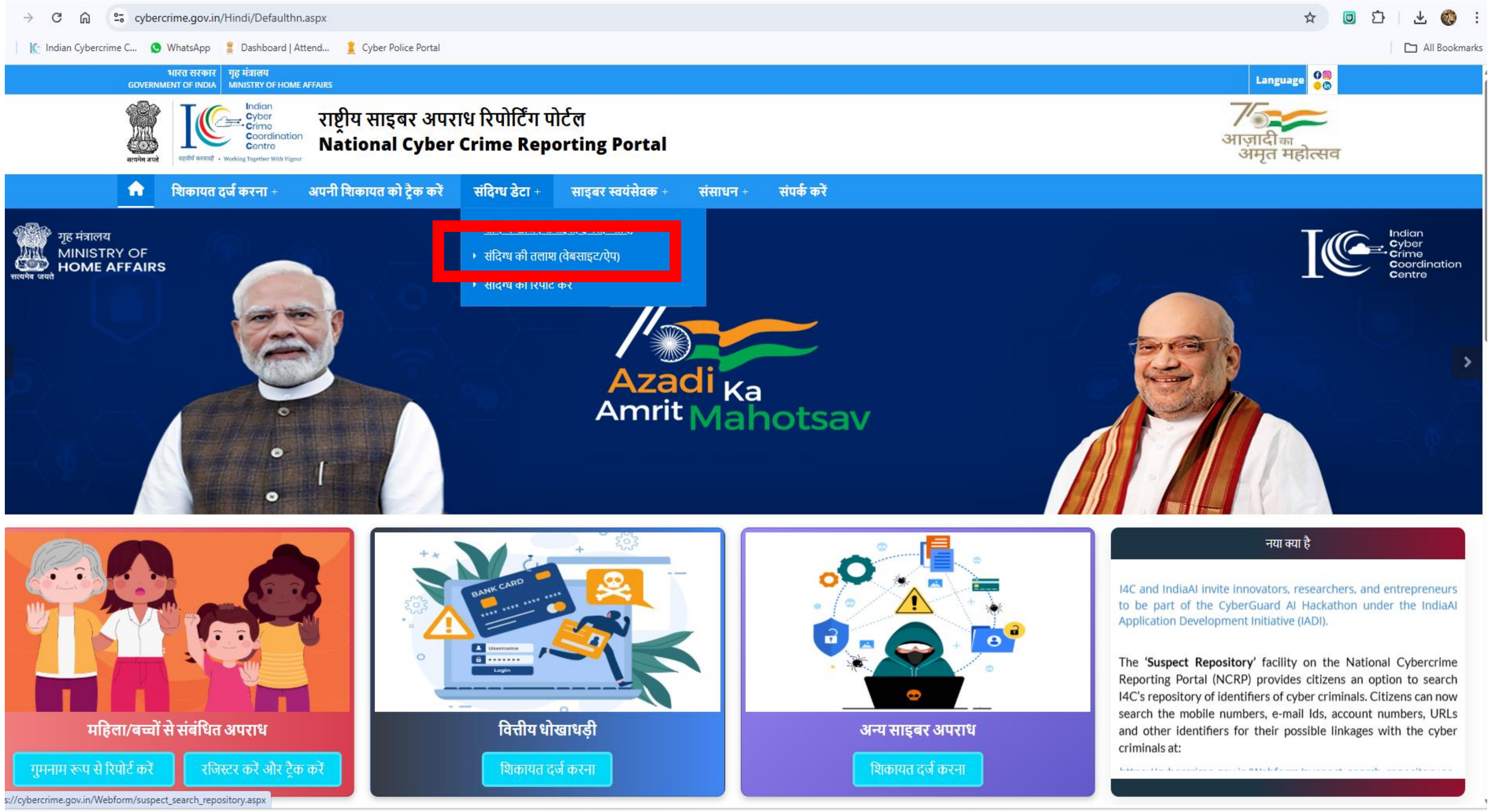

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS
सत्यमेव जयते

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

1930 पर रिपोर्ट करें

गृह मंत्रालय ने टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर '1930' जारी किया है।
आज के डिजिटल युग में, साइबर अपराधों की रिपोर्ट करने और उनसे निपटने के लिए एक समर्पित प्लेटफ़ॉर्म की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।
यह हेल्पलाइन **राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल** का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए एक **सुरक्षित साइबर स्पेस** स्थापित करना है।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS
सत्यमेव जयते

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

करें और न करें (Do's & Don'ts)

क्या करें:

शांत रहें और सोच-समझकर निर्णय लें।

तुरंत रिपोर्ट करें और प्रमाण (screenshot, कॉल नंबर आदि) सुरक्षित रखें।

परिवार और सहकर्मियों को जागरूक करें।

क्या न करें:

किसी को पैसे ट्रांसफर न करें।

व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।

- लंबे वीडियो कॉल पर न रहें।
- संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

सत्यमेव जयते

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre

सहवीर्य करवावहै • Working Together With Vigour

सत्यमेव जयते

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

Indian
Cyber
Crime
Coordination
Centre

सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

सरकारी पहल (Government Initiatives)

- डिजिटल गिरफ्तारी ठगी पर जागरूकता अभियान – अख़बार, मेट्रो घोषणाएँ, सोशल मीडिया, प्रसार भारती, आकाशवाणी।
- I4C के सोशल मीडिया अकाउंट:
  - X (Twitter): @CyberDost
  - Facebook / Instagram: CyberDostI4C
- सार्वजनिक आयोजन, रोडशो, और डिजिटल अभियान निरंतर जारी हैं।

निष्कर्ष (Conclusion)

कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ कभी भी ऑनलाइन पैसे की मांग नहीं करतीं। किसी भी धमकी भरे संदेश की प्रामाणिकता हमेशा जाँचें।

"**सतर्क नागरिक ही सुरक्षित भारत की पहचान है**।"

हेल्पलाइन: 1930 | www.cybercrime.gov.in

मुख्य संदेश

- "डर और लालच — साइबर अपराधियों के दो सबसे बड़े हथियार हैं।"
- **सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।**
- "जागरूक नागरिक ही सुरक्षित भारत की पहचान है"

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

Indian Cyber Crime Coordination Centre
सहवीर्यं करवावहै • Working Together With Vigour

साइबर सुरक्षा जागरूकता हेतु लघु फ़िल्मों के लिए

https://i4c.mha.gov.in/awareness.aspx

Stay Cyber Safe

प्रधानमंत्री का संदेश — डिजिटल गिरफ्तारी के बारे में सावधान रहें
“डिजिटल गिरफ्तारी जैसी कोई व्यवस्था कानून में नहीं है।
ऐसे धोखाधड़ी से सतर्क रहें।”
— नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

धन्यवाद